अतिरिक्त कपड़ी बचा कर या दूसरे विभागों में काम दे दिया जाता है।

ऊनी कपड़ा

११५७. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों से कितना ऊनी कपड़ा आयात होता है ;

(ख) ऊनी कपड़े के आयात को घटाने के लिये क्या कोई उपाय किये जा रहे हैं; और

(ग) यदि हां तो उनके ब्यौरे क्या है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) १९५५–५६ तथा १९५६–५७ में क्रमशः १,५५,३०,००० रु० और १,१८,६०,००० रु० का ऊनी कपड़ा आयात किया गया।

(ख) और (ग) १ जुलाई १९५७ से ऊनी कपड़े के आयात पर रोक लगा दी गयी है।

मशीनी खिलौने का उद्योग

११५८. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश में मशीनी खिलौने बनाने के उद्योग को सरकार क्या सहायता दे रही है;

(ख) इस उद्योग द्वारा सरकारी सहायता से अब तक क्या प्रगति की गई है,

(ग) क्या इस सम्बन्ध में विदेशों से कोई विशेषज्ञ बुलाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उस पर कितना खर्च हुआ है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) तथा (ख) एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ७२]

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

बाट तथा माप की मीट्रिक प्रणाली

११५९. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) बाट तथा माप की मीट्रिक प्रणाली से जनता को क्या लाभ होंगे; और

(ख) क्या सरकार द्वारा जनता को इन लाभों को बताने के लिये कोई कदम उठाये गये हैं और यदि हां, तो वे क्या हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) (क) देश भर में एक से बाट और पैमाने होने के फायदे बखूबी जाहिर हैं। मीटर प्रणाली संसार भर में विख्यात है और स्वीकृत मानी जाती है। इसे समझ लेना और याद रखना आसान है। इसे अपनाने में हिसाब किताब करने में आसानी हो जायेगी और इस से विभिन्न क्षेत्रों में समय और मेहनत की बचत हुआ करेगी।

(ख) मीटर प्रणाली के फायदे सरकार के निम्न प्रकाशनों में समझाये गये हैं :—

१. "मेमोरेन्डम आन दि एडोप्शन आफ मीट्रिक सिस्टम इन इन्डिया" ले० श्री पीताम्बर पन्त

२. "दि मीट्रिक सिस्टम आफ वेट्स एण्ड मेजर्स"

—प्रकाशक पब्लिकेशन्स डिवीजन, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय।

अगले साल इस प्रणाली तथा इसे अपनाने के फायदों का समाचार पत्रों, रेडियो, फिल्मों आदि के द्वारा व्यापक प्रचार किया जायेगा ।

नियोजन पदाधिकारी

११६०. **पंडित कु० चं० शर्मा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उस योजना को कार्यान्वित करने में क्या प्रगति हुई है जिस के अन्तर्गत नियोजन पदाधिकारियों को चुने हुए व्यवसायों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध की जायेगी जो अभ्यर्थियों की योग्यता को जांचने में सहायक होगी,

(ख) यह किन किन व्यवसायों के बारे में अब तक तैयार की गई है,

(ग) इस योजना से कितने नियोजन पदाधिकारियों ने लाभ उठाया है और इन के फलस्वरूप कितने अभ्यर्थी चुने गये हैं, और

(घ) इस योजना को तैयार करने में कितना खर्च हुआ है और इस संबंध में किस विशेषज्ञ से सहायता ली गयी थी ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) से (ग). इस योजना के पहले विभिन्न कार्य केन्द्रों में जा कर व्यवसायों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जायेगी । इस जानकारी के आधार पर काम के उम्मीदवारों की योग्यता और अनुभव जानने के लिये प्रश्नोत्तरी तैयार की जायेगी । अभी नियोजन महानिदेशालय में यह काम चलाया जा रहा है । इसी बीच तजुर्बे के तौर पर मोटर मैकेनिक व्यवसाय में योग्यता जानने के लिये एक प्रश्नोत्तरी का नमूना तैयार किया गया है जिस की सहायता से नियोजन कार्यालयों में प्रार्थियों की योग्यता का अनुमान लगाया जायेगा ।

(घ) इस सिलसिले में कोई खास खर्च नहीं हुआ है । यह कार्य नियोजन महानिदेशालय के व्यावसायिक जानकारी एकीक द्वारा हो रहा है ।

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन से आये विशेषज्ञ का नाम श्री एस० ओ० डूस है ।

मालिक मजदूरों के सम्बन्धों का अध्ययन

११६१. **पंडित कु० चं० शर्मा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भविष्य में किन किन कारखानों में मालिक-मजदूर सम्बन्धों का अध्ययन करने का विचार है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : हडियन अलुमिनियम कंपनी बेलूर, कलकत्ता, और इन्दौर के सूती कपड़ा मिलों में अध्ययन जारी है । राज्य सरकारों से ऐसे कारखानों के नाम मांगे गये हैं जहां अध्ययन किया जा सके ।

बाट तथा माप की मीट्रिक प्रणाली

११६२. **श्री वाल्मीकी** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकारी कारखानों में मीट्रिक प्रणाली के बाट और माप बनाने की संभावना है,

(ख) यदि हां, तो सरकारी कारखानों में प्रतिवर्ष अनुमानतः कितने बाट तथा माप बनाये जायेंगे; और

(ग) गैर-सरकारी क्षेत्र में इस प्रकार के कितने बाट तथा माप बनाये जाने का अनुमान है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) तथा (ख). शस्त्रास्त्र के कारखानों में मीट्रिक बाट तथा पैमाने बनाये जाने की संभावना की खोज की जा रही है । इस समय यह बताना कठिन है कि इन कारखानों में कितनी संख्या में बाटों और पैमानों का निर्माण हो सकेगा ।